केंद्रीय विद्यालय संगठन, राँची संभाग

पूर्व परिषदीय परीक्षा-1 प्रश्न-पत्र 2024-25

विषय- हिंदी (आधार)

विषय कोड -302

कक्षा - बारहवीं

निर्धारित समय: 03 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:-

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए:-
- यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है ।
- खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं । सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- खंड - ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों में आतंरिक विकल्प दिए गए हैं ।
- खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों में आतंरिक विकल्प दिए गए हैं ।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।

प्रश्न संख्या	खंड -क (अपठित बोध)	अंक (18)
1.	**निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-**	**(10)**
	जोला ने सन् 1880 में 'दी एक्सपेरिमेन्टल नॉवेल' नाम से एक लम्बा लेख लिखा। इस लेख में जोला ने विस्तार से विचार और रचना दोनों ही स्तरों पर प्रकृतिवाद की विशेषताएँ बताईं। इस लेख में प्रकृतिवादी उपन्यासों की रचना-पद्धति पर बात करते हुए जोला कहते हैं कि उपन्यासकार को पूर्वनिश्चित सिद्धान्तों और नैतिक आग्रहों से मुक्त होकर एक वैज्ञानिक की भाँति अपनी रचना में इस प्रकार मन रमाना चाहिए, जैसे कि कोई वैज्ञानिक अपने प्रयोग में रमाता है। इसके साथ	

	ही प्रकृतिवादी रचनाकार को अपनी रचना में घटनाओं का सावधानीपूर्वक लेखन करते हुए उसे वस्तुओं एवं प्रक्रियाओं की बड़े तटस्थ भाव से परीक्षा करनी चाहिए, जिससे विवाद रहित निष्कर्ष सामने आ सके। जोला का यह लेख मूलतः फ्रेंच भाषा में है। बाद में इसका अंग्रेजी में भी अनुवाद हुआ। जोला की इस स्थापना पर आरोप लगता है कि प्रकृतिवादी रचना-पद्धति यथार्थवादी पद्धति से भिन्न है। इसलिए इस पद्धति को अपनानेवाला रचनाकार अपने समय के संघर्षमय जीवन का सिर्फ एक दर्शक ही बन पाता है, इस संघर्ष में उनका न तो कोई अपना पक्ष होता है और न ही कोई भागीदारी। लुकाच ने जोला की इस स्थापना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जोला के उपन्यास एक ऐसी पद्धति की खोज मात्र है जिसके माध्यम से लेखक, जो आज महज समय का दर्शक रह गया है, फिर से यथार्थ तरीके से यथार्थ पर महारत हासिल कर सके। लफार्ज ने जोला के इस रुख की आलोचना करते हुए कहा कि एक उपन्यासकार के जो लक्षण जोला ने बताए हैं, वह तो किसी पत्रकार के लक्षण मालूम पड़ते हैं। समाज की घटना या स्थिति को बिना किसी लाग-लपेट के कागज पर उतार देना पत्रकारिता ही तो है।	
क.	जोला ने 'दी एक्सपेरिमेन्टल नॉवेल' नामक लेख मूलतः किस भाषा में लिखा है ? i. अंग्रेजी ii. जर्मन iii. फ्रेंच iv. स्पैनिश	**1**
ख.	जोला के लेख में किस तरह के उपन्यासों की रचना पद्धति पर बात की गई है ? i. आदर्शवादी ii. यथार्थवादी iii. मानवतावादी iv. प्रकृतिवादी	**1**
ग.	**निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-** **कथन (I) :** जोला ने विचार और रचना दोनों ही स्तरों पर प्रकृतिवाद की विशेषताएँ बताई हैं।	**1**

	कथन (II) : जोला के अनुसार प्रकृतिवादी उपन्यासों की रचना में उपन्यासकार को पूर्वनिश्चित सिद्धान्तों और नैतिक आग्रहों से मुक्त होना चाहिए । **कथन (III) :** जोला के अनुसार प्रकृतिवादी उपन्यासों की रचना में उपन्यासकार को पूर्वनिश्चित सिद्धान्तों और नैतिक आग्रहों से युक्त होना चाहिए । **कथन (IV) :** प्रकृतिवादी रचनाकार को घटनाओं का सावधानीपूर्वक लेखन करते हुए वस्तुओं एवं प्रक्रियाओं की तटस्थ भाव से परीक्षा करनी चाहिए । **गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही हैं ?** i. केवल कथन (I), (II) और (IV) सही हैं । ii. केवल कथन (I), (III) और (IV) सही हैं । iii. केवल कथन (III) और (IV) सही हैं । **iv.** केवल कथन (I), (II) और (IIII) सही हैं ।	
घ.	जोला के प्रकृतिवादी रचना-पद्धति पर क्या आरोप लगता है ?	**1**
ङ.	लफार्ज ने जोला के द्वारा बताए गए उपन्यासकार के लक्षणों की आलोचना करते हुए क्या कहा है ?	**2**
च.	जोला के प्रकृतिवादी उपन्यासों की रचना-पद्धति पर लुकाच ने क्या टिप्पणी की है ?	**2**
छ.	जोला के अनुसार विवाद रहित निष्कर्ष हेतु प्रकृतिवादी रचनाकार को क्या करना चाहिए ?	**2**
2.	**दिए गए पद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-**	**(8)**
	प्रेमयज्ञ अति कठिन, कुण्ड में कौन वीर बलि देगा? तन, मन, धन, सर्वस्व होम कर अतुलनीय यश लेगा? हरि के सम्मुख भी न हार जिसकी निष्ठा ने मानी, धन्य धन्य राधेय! बंधुता के अद्भुत अभिमानी। पर, जाने क्यों, नियम एक अद्भुत जग में चलता है, भोगी सुख भोगता, तपस्वी और अधिक जलता है। हरियाली है जहां, जलद भी उसी खण्ड के वासी, मरु की भूमि मगर,रह जाती है प्यासी की प्यासी। और, वीर जो किसी प्रतिज्ञा पर आकर अड़ता है, सचमुच, उसके लिए उसे सब कुछ देना पड़ता है। नहीं सदा भीषिका दौड़ती द्वार पाप का पाकर,	

	दुःख भोगता कभी पुण्य को भी मनुष्य अपनाकर। पर, तब भी रेखा प्रकाश की जहां कहीं हँसती है, वहाँ किसी प्रज्वलित वीर नर की आभा बस्ती है। जिसने छोड़ी नहीं लीक विपदाओं से घबरा कर, दी जग को रौशनी टेक पर अपनी जान गंवाकर। नरता का आदर्श तपस्या के भीतर पलता है, देता वही प्रकाश, आग में जो अभीत जलता है। आजीवन झेलते दाह का दंश वीर-व्रतधारी, हो पाते तब कहीं अमरता के पद के अधिकारी। प्रण करना है सहज, कठिन है लेकिन, उसे निभाना, सबसे बड़ी जांच है व्रत का अंतिम मोल चुकाना। अंतिम मूल्य न दिया अगर, तो और मूल्य देना क्या? करने लगे मोह प्राणों का - तो फिर प्रण लेना क्या? सस्ती कीमत पर बिकती रहती जब तक कुर्बानी , तब तक सभी बने रह सकते हैं त्यागी, बलिदानी। पर, महंगी में मोल तपस्या का देना दुष्कर है, हंस कर दे यह मूल्य, न मिलता वह मनुष्य घर घर है।	
क.	**प्रेमयज्ञ में अतुलनीय यश किसे प्राप्त होता है ?** **i.** जो तन ,मन, धन से सर्वस्व बलिदान कर देता है । **ii.** जो प्रण लेता है । **iii.** जो सुविधानुसार त्याग कटा है । **iv.** जो निरंतर प्रेम भरे गीत गाता रहता है ।	**1**
ख.	**नरता का आदर्श किसके भीतर पलता है ?** **i.** सहिष्णुता के भीतर **ii.** तत्परता के भीतर **iii.** तपस्या के भीतर **iv.** धन के भीतर	**1**
ग.	**निम्नलिखित अभिकथन एवं तर्क पर विचार कीजिए:** **अभिकथन(A)** प्रण करना आसान है किन्तु उसे निभाना बहुत ही कठिन है । **तर्क(R):** सभी महापुरुष कठिन प्रण करते हैं । **नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए ।** **i.** (A) सही है और (R) गलत है । **ii.** (A) और (R) दोनों सही हैं ।	**1**

	iii. (A) गलत एवं (R) सही है । **iv.** (A) और (R) दोनों गलत हैं ।	
घ.	कैसा मनुष्य घर-घर मिलना कठिन है ?	**1**
ङ.	'प्रण करना है सहज, कठिन है लेकिन, उसे निभाना' कवि ने ऐसा क्यों कहा है ?	**2**
च.	संसार के किस नियम को कवि ने अद्भुत कहा है ?	**2**
प्रश्न संख्या	**खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)**	**अंक (22)**
3.	निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :- • वैश्विक गर्मी (ग्लोबल वार्मिंग) • दिनोंदिन बढ़ती महँगाई • एक कामकाजी औरत की शाम	**01x06=06**
4.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही चार प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-**	**04x02=08**
क.	अंशकालिक पत्रकार किसे कहते हैं ?	**2**
ख.	पत्रकारिता में 'बीट' का क्या तात्पर्य है ?	**2**
ग.	पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार कौन-कौन से हैं ?	**2**
घ.	रेडियो नाटक में किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?	**2**
ङ.	अप्रत्याशित विषयों पर लेखन करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?	**2**
5.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के लगभग 80 शब्दों में उत्तर दीजिए:-**	**02x04=08**
क.	समाचार के प्रमुख तत्वों का वर्णन कीजिए ।	**4**
ख.	कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?	**4**
ग.	समाचार लेखन की उल्टा पिरामिड शैली क्या है ? विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।	**4**
प्रश्न संख्या	**पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2 पर आधारित प्रश्न**	**अंक (10)**
प्रश्न 6.	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-**	**05X01=05**

	तिरती है समीर-सागर पर अस्थिर सुख पर दु:ख की छाया– जग के दग्ध हृदय पर निर्दय विप्लव की प्लावित माया– यह तेरी रण-तरी भरी आकांक्षाओं से, घन, भेरी-गर्जन से सजग सुप्त अंकुर उर में पृथ्वी के, आशाओं से नवजीवन की, ऊँचा कर सिर, ताक़ रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल! फिर-फिर बार-बार गर्जन वर्षण है मूसलधार, हृदय थाम लेता संसार, सुन-सुन घोर वज्र-हुंकार।	
क.	**निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए काव्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए ।** **क.** काव्यांश में प्रकृति के जटिल रूप का वर्णन है । **ख.** काव्यांश में प्रकृति के क्रांतिकारी रूप का वर्णन कीजिए । **ग.** काव्यांश में प्रकृति के शांत रूप का वर्णन है । घ. काव्यांश में प्रकृति के अनोखे रूप का वर्णन है ।	**1**
ख.	**निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को पढ़कर सही विकल्प चुनें ।** **कथन (A)** काव्यांश में बादल और क्रांति के प्रभाव की समानता है । **कारण (R)** काव्यांश में बादल के विप्लवकारी रूप का वर्णन है । **क.** कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है । **ख.** कथन (A) गलत है, कारण (R) सही है । **ग.** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं । **घ.** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं ।	**1**
ग.	**कवि ने काव्यांश में मानव जीवन के सुख-दुख के सम्बन्ध में क्या कहा है ?** **क.** सुख अस्थायी हैं ।	**1**

	ख. सुख स्थायी हैं । **ग.** सुख पर सदैव दुःख रुपी बादल मंडराते हैं । **घ.** विकल्प (क) एवं (ग) दोनों सही हैं ।	
घ.	**क्रांति का प्रतीक बादल क्या सन्देश देता है ?** **क.** दुखी जीवन को सुख और आनंद का सन्देश । **ख.** धरती को हरियाली का सन्देश। **ग.** प्रेम का सन्देश। **घ.** कोई सन्देश नहीं देता है ।	**1**
ङ.	**काव्यांश में कवि बादल को क्या कहता है ?** **क.** क्रांति के दूत **ख.** क्रांति के रक्षक **ग.** इंद्र का दूत **घ.** भगवान का दूत	**1**
7.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए:-**	**02x03=06**
क.	आत्मपरिचय कविता एक ओर जग-जीवन का भार लिए घूमने की बात करती है और दूसरी ओर मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ - विपरीत से लगते इन कथनों का क्या आशय है ?	**3**
ख.	सबसे तेज बौछारें गयीं, भादो गया' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने दिखाया हैं, उसका वर्णन अपने शब्दों में करें।	**3**
ग.	बात और भाषा परस्पर जुड़े होते हैं, किन्तु कभी-कभी भाषा के चक्कर में 'सीढ़ी बात भी टेढ़ी' हो जाती है, कैसे ?	**3**
8.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए:-**	**02x02=04**
क.	'परदे पर वक्त की कीमत है' कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति अपना नजरिया किस रूप में रखा है ?	**2**
ख.	कविता के किन उपमानों को देखकर यह कहा जा सकता है कि 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्दचित्र है ?	**2**
ग.	'कवितावली' के उद्धृत छंदों के आधार पर स्पष्ट करें कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमता की अच्छी समझ है ।	**2**
9.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-**	**05x01=05**

<table>
<tr><td></td><td>सेवक-धर्म में हनुमान जी से स्पर्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है- नाम है लछमिन अर्थात् लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि-सूचक नाम किसी को बताती नहीं। केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया; पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ।</td><td></td></tr>
<tr><td>क.</td><td>निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:-

<table><tr><th>स्तंभ 1</th><th>स्तंभ 2</th></tr><tr><td>क. सेवक धर्म में स्पर्धा</td><td>1. भक्तिन</td></tr><tr><td>ख. गोपालिका की कन्या</td><td>2. महादेवी</td></tr><tr><td>ग. ‘मेरे’ शब्द का गद्यांश में प्रयोग</td><td>3. हनुमान जी</td></tr></table>
(I) क-3, ख-1, ग-2
(II) क-2, ख-3, ग-1
(III) क-3, ख-2, ग-1
(IV) क-1, ख-3, ग-2</td><td>1</td></tr>
<tr><td>ख.</td><td>लेखिका के अनुसार सेवक-धर्म में भक्तिन किससे स्पर्धा करती थी ?
क. राम से
ख. लक्ष्मण से
ग. हनुमान से
घ. भरत से</td><td>1</td></tr>
<tr><td>ग.</td><td>भक्तिन का वास्तविक नाम था:-
क. महादेवी
ख. सरस्वती
ग. लछमिन या लक्ष्मी
घ. अंजना</td><td>1</td></tr>
<tr><td>घ.</td><td>‘कुंचित रेखाओं’ का अर्थ है :
क. सिकुड़ी हुई रेखाओं</td><td>1</td></tr>
</table>

	ख. फैली हुई रेखाओं ग. मटमैली रेखाओं घ. काली रेखाओं	
10.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए:-**	**02x03=06**
क.	बाज़ार किसी का लिंग, जाति, धर्म या क्षेत्र नहीं देखता, वह देखता है सिर्फ उसकी क्रय शक्ति को। इसे रूप में वह एक प्रकार से सामाजिक समता की भी रचना कर रहा है। आप इससे कहाँ तक सहमत हैं?	**3**
ख.	रिश्तों में हमारी भावना-शक्ति का बँट जाना विश्वासों के जंगल में सत्य की राह खोजती हमारी बुद्धि की शक्ति को कमजोर करती है । पाठ में जीजी के प्रति लेखक की भावना के सन्दर्भ में इस कथन के औचित्य की समीक्षा कीजिए ।	**3**
ग.	'निर्धन, साधनहीन और महामारीग्रस्त गाँव में पहलवान की ढोलक मरने वालों को हौंसला-हिम्मत देती थी' - इस कथन के आलोक में गाँव की बेबसी का चित्रण कीजिए ।	**3**
11.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए:-**	**02x02=04**
क.	'हाय वह अवधूत आज कहाँ है !' ऐसा कहकर लेखक ने आत्मबल पर देह-बल के वर्चस्व की वर्तमान सभ्यता के संकट की ओर संकेत किया है । कैसे ?	**2**
ख.	जाति प्रथा, भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी का भी एक कारण कैसे बनती रही है? क्या यह स्थिति आज भी है?	**2**
ग.	'भक्तिन का दुर्भाग्य भी उससे कम हठी नहीं था' ऐसा क्यों कहा गया है?	**2**
12.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के लगभग 100 शब्दों में उत्तर दीजिए:-**	**02x05=10**
क.	वर्तमान समय में परिवार की संरचना,स्वरूप से जुड़े आपके अनुभव ' सिल्वर वैडिंग' कहानी से कहाँ तक सामंजस्य बिठा पाते हैं?	**5**
ख.	'जूझ' शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट करें कि क्या यह शीर्षक कथा नायक की किसी केंद्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है?	**5**

ग.	टूटे-फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती जिंदगियों के अनछुए समयों को भी दस्तावेज़ होते हैं- 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।	**5**